GENERAL STUDIES (Test–4)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (O-A)–M–**GSM (P-III)-2304**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Ravi Gangwar **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** _____

Center & Date: Mukherjee Nagar, 20.8.23 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0806397

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)	4.5	5 (b)	4.5
1 (b)	5	6 (a)	4
2 (a)	4	6 (b)	4
2 (b)	4	7.	9.5
3 (a)	5	8.	8.5
3 (b)	4	9.	10
3 (c)	4	10.	8.5
4 (a)	4	11.	9
4 (b)	4.5	12.	8.5
5 (a)	—		
Grand Total (सकल योग)		105.5 / 250	

FL 21

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

↳ आपकी विषय-वस्तु दक्षता काफी अच्छी है।

↳ प्रस्तुतिकरण अच्छा है।

↳ आपने उदाहरणों का अच्छा समावेशन किया है।

↳ निबंध लेखन अभ्यास से आप अवश्य अच्छा करेंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड - क/ SECTION - A

1. (a) अभिरुचि क्या है? क्या आप मानते हैं कि यह रुचि, कौशल और बुद्धिमत्ता से भिन्न है?
(150 शब्द) 10

What is aptitude? Do you think that it is different from interest, skill and intelligence?
(150 Words) 10

अभिरुचि से तात्पर्य है कि यदि किसी व्यक्ति को अनुकूल परिस्थितियाँ उपलब्ध कराई जाये तो इसमें किसी कार्य को करने की क्षमता का स्तर क्या है?

जैसे कि सचिन में क्रिकेट की अभिरुचि, विश्वनाथन आनंद में शतरंज की अभिरुचि उच्च थी।

अभिरुचि एवं रुचि :- अभिरुचि किसी कार्य के लिए उपलब्ध क्षमता का स्तर है, जबकि रुचि का सम्बन्ध मनोवैज्ञानिक भाव से है कि वह उस कार्य को करना चाहता है अथवा नहीं। जैसे कि किसी की शतरंज के प्रति उच्च अभिरुचि होगी किन्तु उसे खेलना पसन्द नहीं होगा (रुचि नहीं है)

अभिरुचि एवं कौशल :- अभिरुचि सामान्यतया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जन्मजात होती है, जबकि कौशल प्रयास के द्वारा सीखा जाता है। जैसे कि अगर किसी की वैज्ञानिक अभिरुचि है तो इसे विज्ञान अच्छे से समझ आयेगा किन्तु विभिन्न यंत्रों का आविष्कार करने का कौशल उसे प्रयास करके ही सीखना होगा।

किसी कार्य को सहजता के साथ करने का ज्ञान

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अभिरुचि एवं बुद्धिमत्ता :- अभिरुचि का सम्बन्ध आपकी क्षमता से है जबकि बुद्धिमत्ता आपके मस्तिष्क की तीक्ष्णता को व्यक्त करती है। जैसे कि किसी की अभिरुचि किसी विशेष क्षेत्र के प्रति उच्च हो सकती है किन्तु बुद्धिमता का स्तर अनिवार्य रूप से उच्च होगा, ऐसा जरूरी नहीं है। हालांकि बुद्धिमता का एक निर्धारित स्तर से ऊपर होने के बाद ही उसकी अभिरुचि किसी क्षेत्र विशेष के सन्दर्भ में प्रयोज्य हो पायेगी।

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "आपकी अभिवृत्ति आपका कद निर्धारित करेगी, आपकी अभिरुचि नहीं"। आप इस उद्धरण से क्या समझते हैं? उदाहरण सहित अपने विचार स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

"It is an attitude, not aptitude, which determines one's altitude". What do you understand by the quotation? Explain your stand with illustrations. (150 Words) 10

परीक्षार्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भूमिका सही है।

अभिवृत्ति किसी भी मनोवैज्ञानिक विषय के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक विचारों की उपस्थिति है जबकि अभिरुचि आपके द्वारा किसी कार्य को करने में सक्षमता से निर्धारित होती है।

अभिवृत्ति & अभिरुचि दोनों का संगत होना व्यक्ति के सफल होने के लिए जरूरी है। जैसे कि आइन्स्टीन की वैज्ञानिक अभिरुचि तथा विज्ञान के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति ने उनको महान बना दिया।

जबकि सामान्यतया अगर अभिरुचि की उपस्थिति है किन्तु उस क्षेत्र विशेष के प्रति आपमें नकारात्मक अभिवृत्ति है तो आपकी सफलता संदिग्ध हो जाती है। जैसे कि मेरे मित्र में सिविल सेवा की अभिरुचि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

थी किन्तु मेहनत के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति ने उसका चयन असम्भव बना दिया। अतः यह देखा जा सकता है कि व्यक्ति की सफलता में अभिवृत्ति एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।

वहीं दूसरी तरफ अगर देखें तो केवल अभिवृत्ति का होना ही काफी नहीं है अर्थात अभिरुचि की अनुपस्थिति भी अहम भूमिका निभाती है। ~~जैसे कि~~ मेरा दूसरा मित्र जो निरन्तर मेहनत में लगा रहता है किन्तु सिविल सेवा सम्बन्धी अभिरुचि का अभाव उसका चयन मुश्किल बना रहा है। जबकि उसकी अभिरुचि खेल के क्षेत्र में है।

अतः हम कह सकते हैं कि अभिरुचि व अभिवृत्ति दोनों एक दूसरे के पूरक हैं तथा सफलता हेतु व्यक्ति को दोनों की आवश्यकता होती है।

5/10

अच्छा प्रयास है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) "आचार संहिता" एवं "नीति संहिता" के बीच क्या अंतर है? प्रत्येक के महत्त्व और प्रासंगिकता को स्पष्ट करने के लिये उदाहरण प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the distinction between a "code of conduct" and a "code of ethics"? Provide examples to illustrate the importance and relevance of each. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आचार संहिता किसी भी संस्थान से सम्बन्धित उन बाध्यकारी नियमों का समुच्चय होता है, जिनसे यह निर्धारित होता है कि किसी संस्था के सदस्य द्वारा कौन सा कार्य कैसे करना है, करना है या नहीं करना है आदि। जैसे कि सिविल सेवा संबंधी आचार संहिता अखिल भारतीय सेवा नियमावली में वर्णित है।

आचार संहिता किसी भी संस्थान में अनुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेहिता जैसे मूल्यों का अनुपालन सुनिश्चित करती है तो सेवा वितरण का समयबद्ध तरीके से पूरा करवाना भी निश्चित करवाती है। उदाहरण के लिए कोविड के दौरान सभी संस्थागत कर्मियों के निर्देशित होने के लिए उनकी आचार संहिता प्राथमिक स्रोत थी (डॉक्टर, पुलिस, सिविल सेवक आदि)

↳ उल्लंघन के लिए दंडात्मक प्रावधान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वहीं दूसरी तरफ नीति संहिता किसी भी कार्य के नैतिक होने या नैतिक न होने के सम्बन्ध में मार्गदर्शक ~~सिद्ध~~ नियमों का निर्धारण करती है, जिनका बाध्यकारी अनुपालन आवश्यक नहीं होता है। जैसे कि आचार संहिता सम्बन्धी नियमों का पालन करते समय अगर वरिष्ठ अधिकारी अनैतिक कार्य का दबाव डाले तो क्या करना चाहिए?

↳ सामान्य व आकांक्षी सिद्धान्त

↳ गैर-कानूनी रूप से लागू करने योग्य

नीति संहिता संस्था में नैतिक मूल्यों की स्थापना सुनिश्चित करने का प्रयास है। इसके जरिये संस्था की कार्य-संस्कृति, कर्मचारी की उत्पादकता, संस्था की छवि आदि आयामों में सकारात्मक परिवर्तन होता है। उदाहरण के लिए अगर किसी संस्था में ~~ईमानदारी का~~ नीति संहिता लागू है तो वहाँ के कर्मचारी नैतिक तौर पर भ्रष्टाचार, अकर्मण्यता के प्रति प्रतिरोधी होने को बाध्य होंगे।

↳ व्यापक प्रयोजन

4/10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)
www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) अनामिकता और निष्पक्षता भारतीय लोक सेवा की मूलभूत विशेषताएँ हैं। विवेचना कीजिये।
(150 शब्द) 10

Anonymity and impartiality are the fundamental characteristics of the Indian Civil Service. Discuss.
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय प्रधानमंत्री का यह कथन कि 'अनामिकता सिविल सेवकों के लिए वरदान की तरह है' सिविल सेवा में अनामिकता & निष्पक्षता के महत्व को रेखांकित करता है।

↳ अनामिकता व निष्पक्षता की सटीक परिभाषा भी दें।

महत्व :- i) अनामिकता के चलते नीति निर्माण तथा क्रियान्वयन बिना किसी भय & द्वेष के करना सम्भव होता है।

ii) लोक-लुभावन वाद की प्रवृत्ति का विकास नहीं होता है।

iii) विविधता भरे भारत में सभी वर्गों हेतु कल्याणकारी कार्य करना सम्भव हो पाता है (निष्पक्षता)

iv) सभी तक सरकारी सेवाओं का वितरण प्रतिबद्धता के साथ एवं जाति, धर्म, वर्ग आधारित भेदभाव के बिना हो पाता है। (निष्पक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright :- Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

v) अनामिकता के चलते पूरा ध्यान एवं ऊर्जा सेवा भावना में लगती है।

vi) राजनीतिक संघर्ष से बचाव तथा कार्य की उत्पादकता उच्च (अनामिकता)

vii) अनामिकता के चलते सिविल सेवकों में सेवा सम्बन्धी उच्च चरित्र एवं गुणों का विकास होता है जो कि सम्पन्न कल्याणकारी राज्य की स्थापना में सहायक होते हैं।

4/10

हालांकि आधुनिक सूचना क्रांति के युग में कुछ सिविल सेवकों द्वारा → सोशल मीडिया अनामिकता के सिद्धान्त से थोड़ा विचलन देखा गया है।

निष्कर्ष रूप में यह कहना उचित है कि अनामिकता के साथ सिविल सेवकों में कार्यानुरूप पुरस्कृत करने की नीति अपनाकर 'प्रसिद्धि की इच्छा' सम्बन्धी चुनौतियों को संतुलित किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What does each of the following quotations mean to you?

(a) "आप अकसर अपनी अभिवृत्ति को परिवर्तित करके अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं।" – एलेनोर रूजवैल्ट (150 शब्द) 10

"You can often change your circumstances by changing your attitude." — Eleanor Roosevelt (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अभिवृत्ति का सम्बन्ध हमारे मन में किसी मनोवैज्ञानिक विषय के प्रति उपस्थित सकारात्मक या नकारात्मक भावों की अवस्थिति है। जिसका हमारे व्यवहार तथा सोच से गहरा सम्बन्ध होता है।

अभिवृत्ति परिवर्तन व्यक्ति की परिस्थितियों में सम्पूर्ण परिवर्तन ला सकता है। जैसे कि पढ़ाई के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति से सकारात्मक अभिवृत्ति में परिवर्तन आपको रोजगार दिला सकता है। जिसके बाद आपकी आर्थिक, सामाजिक परिस्थितियों में बदलाव होगा।

इसी प्रकार फूलन देवी की हिंसा के प्रति बदली अभिवृत्ति ने उन्हें लोकतंत्र के मंदिर में स्थापित किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ध्यातव्य है कि अभिवृत्ति परिवर्तन हमारे व्यवहारात्मक पक्ष को नियंत्रित करता है। इसी वजह से जब हमारी अभिवृत्ति में परिवर्तन आता है तो हमारे व्यवहार में भी परिवर्तन आता है और व्यक्ति की परिस्थितियाँ उसके व्यवहार (कार्यों का रूप) पर ही तो मुख्यतया निर्भर करती हैं। जैसे कि आज नक्सली आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं जिसकी मुख्य वजह है उनकी अभिवृत्ति परिवर्तन (हिंसा के प्रति, विकास के प्रति आदि)

↳ नकारात्मक अभिवृत्ति से प्रतिकूल परिस्थितियाँ भी अनुकूल हो जाती हैं

अतः यह एकदम सही कथन है कि व्यक्ति अपनी सोच का ही उपउत्पाद होता है और सोच बदलने से न, केवल व्यक्ति में बदलाव आता है बल्कि सम्पूर्ण परिस्थितियाँ बदल जाती हैं और व्यक्ति मोहन दास से गाँधी बन जाता है।

5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा कमजोर और व्यर्थ है परंतु सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान खतरनाक एवं भयानक है" - सैमुअल जॉनसन (150 शब्द) 10

"Integrity without knowledge is weak and useless, and knowledge without integrity is dangerous and dreadful." Samuel Johnson. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सत्यनिष्ठा का सम्बन्ध हमारे नैतिक सिद्धान्तों की आंतरिक सुसंगति के साथ-साथ सिद्धान्तों व कार्यों में भी ~~सुसंगता~~ सुसंगतता से है।

वस्तुतः सत्यनिष्ठा के पीछे हमारा अपने नैतिक मूल्यों एवं सिद्धान्तों पर कायम रहने का समर्पण होता है, जिसके मूल में ज्ञान महत्वपूर्ण होता है क्योंकि जबतक सत्यनिष्ठा का औचित्य समझ नहीं आयेगा व्यक्ति अपनी सत्य-निष्ठा का पालन नहीं कर पायेगा। जैसे कि - भ्रष्टाचार व्यक्ति को, राज्य को बड़े रूप में हानि पहुंचता है, अगर यह जानकारी सिविल सेवक को नहीं होगी तो वह तात्कालिक धनलाभ के चक्कर में भ्रष्टाचारी बन जायेगा।

↳ ज्ञान के अभाव में व्यक्ति की सत्यनिष्ठा का प्रयोग स्थापित नहीं कर पायेगा।

↳ एक सुविधि स्मार्ट ही नवाचार व आर्थिक विकास लाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसी का दूसरा पहलू है कि यदि किसी के पास ज्ञान है तो सत्यनिष्ठा के बिना वह व्यक्ति खतरनाक होता है क्योंकि उस ज्ञान का प्रयोग वह कैसे करेगा? यह अनिश्चित होगा। जैसे कि ओसामा द्वारा अमेरिका में आतंकी हमला करना या आधुनिक साइबर क्राइम के मामले या फिर विज्ञान के दुरुपयोग सम्बन्धी प्रत्येक मामला इसका उदाहरण है।

सत्यनिष्ठा व्यक्ति को समाज में आदर, सम्मान, पहचान दिलाती है। अगर ज्ञान & सत्यनिष्ठा दोनों ही मूल्य किसी व्यक्ति में है तो वह समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों में शामिल होता है। जैसे कि अब्दुल कलाम, महात्मा गाँधी, भगत सिंह, विवेकानन्द आदि।

4/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) "मुझे केवल भावना की परवाह है – जब वह सही होगी, तो सब कुछ अपने आप सही हो जाएगा"। स्वामी विवेकानंद। (150 शब्द) 10

"I care only for the spirit – when that is right, everything will be righted by itself." Swami Vivekanand. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपर्युक्त उद्धरण से विवेकानन्द का यह अभिप्राय है कि किसी कार्य को करने की मंशा / भावना या व्यक्ति की अन्तरात्मा यदि सही है तो वह कार्य भी सही होगा। इसके जरिये विवेकानन्द अन्तःप्रज्ञावाद सम्बन्धी धारणा को मान्यता देते हुए साधन एवं साध्य की पवित्रता पर बल देते हुए प्रतीत होते हैं।

वस्तुतः मेरी राय में यह कथन उपयुक्त भी है क्योंकि ज्यादातर नैतिक मामलों में व्यक्ति की अन्तरात्मा का पक्ष नैतिक होता है और अगर हम उसे मार्गदर्शन करने देंगे तो अनैतिक की स्थितियाँ कम पैदा होंगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अर्थात अगर किसी व्यक्ति की अन्तरात्मा (सुपर इगो) सही है तो इस बात की ज्यादा संभावना है कि व्यक्ति अपने स्वार्थ आदि को दरकिनार करते हुए मानव कल्याण के सम्बन्ध में उचित निर्णय ले सकेगा।

इसी के साथ अगर भावना या मंशा के ~~स्तर~~ पर ही विकृति मौजूद है तो व्यक्ति द्वारा किये गये कार्य का परिणाम भी नैतिक नहीं होता है। इसलिए कहा भी गया है कि हम अपनी सोच एवं विचारों का उत्पाद होते हैं।

अतः स्पष्ट है कि नैतिकता के सम्बन्ध मे विचारों का भी इतना ही महत्व है जितना की किये जाने वाले ~~कार्यों~~ का।

4/10

→ व्यक्ति की सोच व भावना ही अभिवृत्ति में प्रकट होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. (a) कार्यस्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता पारस्परिक संबंधों को कैसे प्रभावित करती है? समूह गत्यात्मकता, सहकार्यता और संघर्ष समाधान पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रभाव की विवेचना कीजिये।
(150 शब्द) 10

परीक्षार्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

How does emotional intelligence influence interpersonal relationships in the workplace? Discuss the impact of emotional intelligence on team dynamics, collaboration, and conflict resolution.
(150 Words) 10

भावनात्मक बुद्धिमता से तात्पर्य व्यक्ति द्वारा अपनी व अन्य की भावनाओं को समझ कर इनका अपने अनुसार प्रबन्धन करने की क्षमता से है।

वर्तमान समय में कार्यस्थल पर भावनात्मक बुद्धिमता का महत्व बढ़ता जा रहा है। पारस्परिक संबंधों के स्तर पर अगर बात की जाये तो भावनात्मक बुद्धिमत्ता इनकी सहजता, स्थिरता, सुगमता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जैसा कि हम जानते है कि पारस्परिक संबंधों में भावनाओं का महत्वपूर्ण प्रभाव होता है अतः व्यक्ति द्वारा इनके प्रबन्धन एवं उपयोग से संबंधों को मजबूती प्रदान की जाती है।

सहानुभूति, प्रभावी नेतृत्व, प्रभावी संचारक कौशल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अभ्यर्थियों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसी प्रकार भावनात्मक बुद्धिमता से व्यक्ति समूह में अपनी बात प्रभावी ढंग से रखकर उनको किसी भी कार्य/विचार के लिए प्रेरित कर समूह की गतिशीलता को प्रभावित कर सकता है।

साथ ही भावनात्मक बुद्धिमता के प्रयोग से सहकर्मी आपके साथ सहजता से काम कर सकेगा तथा आप भी इसकी भावनाओं के अनुसार उसकी उत्पादकता को महत्तम करने में उसकी मदद कर सकते हैं।

इसी क्रम में भावनात्मक बुद्धिमता से युक्त व्यक्ति संघर्ष समाधान में महत्ती भूमिका निभा सकता है जैसे कि क्रोध पर नियंत्रण करना हो या समझौते हेतु एक दूसरे का अनुनयन करना, भावनात्मक बुद्धिमता इसमें काफी सहायक सिद्ध होती है।

↳ समूह के भीतर समझ व सहयोग।

↳ सक्रिय रूप से सुनना

↳ समानुभूति

↳ युक्त संवाद

4/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) अनैतिक व्यवहार को रोकने और हितधारकों के हितों की रक्षा करने में निगमित शासन (कॉर्पोरेट गवर्नेंस) महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संदर्भ में भारत में निगमित शासन के साथ नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।

(150 शब्द) 10

Corporate governance plays an important role in preventing unethical behaviour and protecting the interests of stakeholders. In this context, discuss the ethical issues with corporate governance in India.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कार्पोरेट कम्पनियों द्वारा अपनी कार्य-संस्कृति में सुधार के प्रयास करते हुए अपने लाभ/उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु किये गये उपाय कार्पोरेट गवर्नेंस कहलाते हैं।

भूमिका में सटीक परिभाषा लिखे।

लाभ:- i) इसके जरिये संस्था में भ्रष्टाचार, अनैतिक व्यापार प्रक्रिया आदि पर रोक लगाने में सहायता मिलती है।

ii) कार्पोरेट गवर्नेंस में पारदर्शिता हेतु प्रत्येक सूचना हितधारकों को उपलब्ध करवाकर उनके हितों की रक्षा की जाती है।

iii) निर्णय निर्माण तथा उत्तरदायित्व की स्पष्ट प्रणाली जवाबदेहिता तय करती है जिसकी वजह से कार्पोरेट में अनैतिकता तथा अवैधानिकता की कमी आती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

नैतिक मुद्दे :- i) कार्पोरेट लाभ बनाम कार्पोरेट नैतिकता

ii) निवेशकों का हित बनाम शेयरधारकों के अधिकार

iii) CSR सम्बन्धी गतिविधियों सम्बन्धी नैतिक मुद्दे जैसे कि भ्रष्टाचार, स्वार्थवाद, ~~आदि~~ आदि।

iv) संस्था द्वारा नैतिक मूल्यों का पालन जरूरी या संस्था के नियम (जो कभी-कभी शोषणकारी भी हो सकते हैं)

उपर्युक्त मुद्दों के समाधान हेतु कार्पोरेट गवर्नेंस सम्बन्धी सुधार हेतु इंजेती श्रीनिवास समिति का गठन किया गया तथा विभिन्न CSR गतिविधियों की निगरानी एवं नियमन को भी बढ़ाया गया है।

↳ शक्तियों का केन्द्रीकरण -परिवारवाद

↳ स्वतंत्र निदेशकों का पक्षपात होना

4.5/10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. (a) नैतिक दुविधा क्या है? सार्वजनिक संस्थानों में विभिन्न नैतिक चिंताओं और दुविधाओं पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

What is an ethical dilemma? Discuss various ethical concerns and dilemmas in public institutions. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

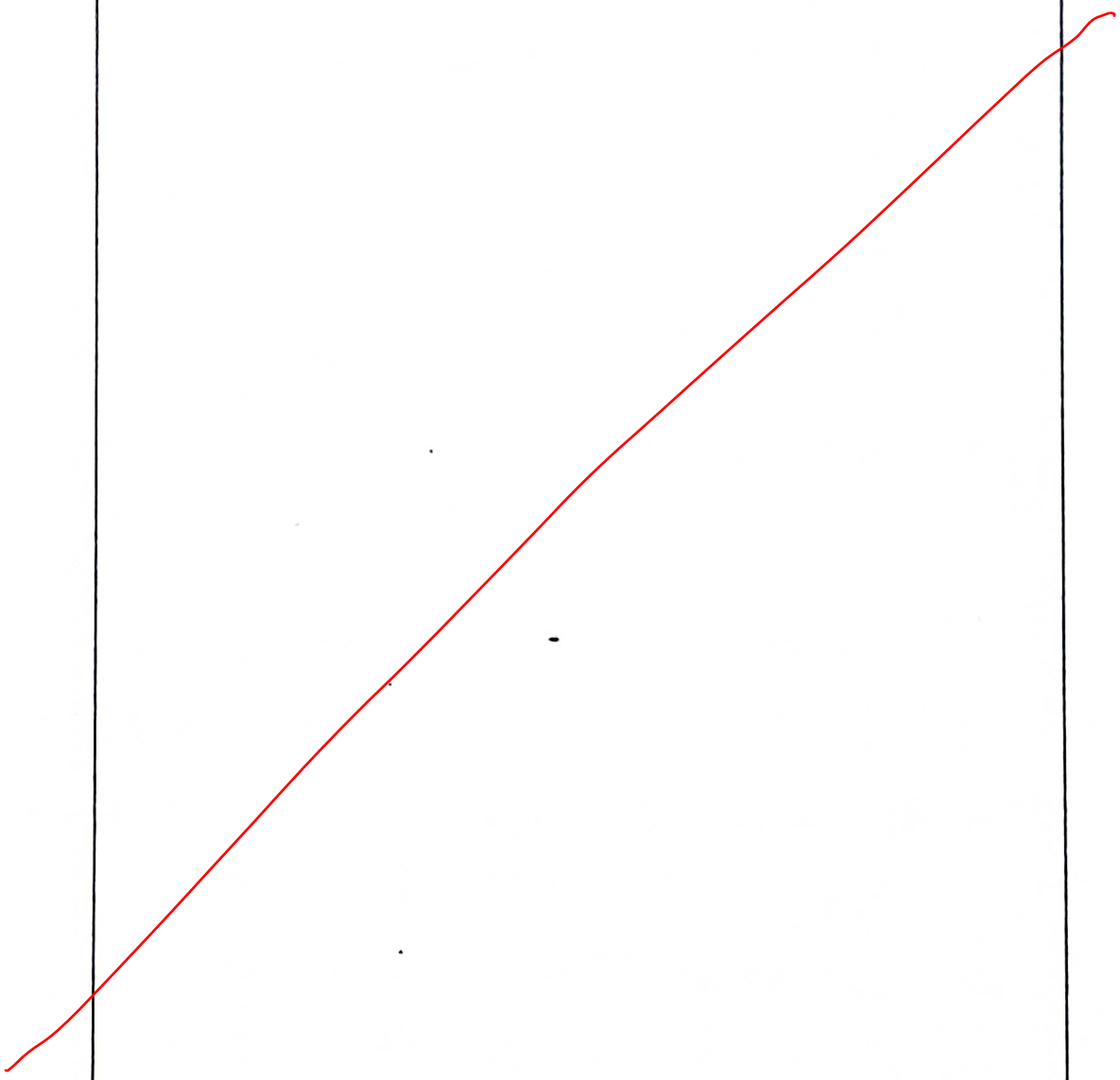

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

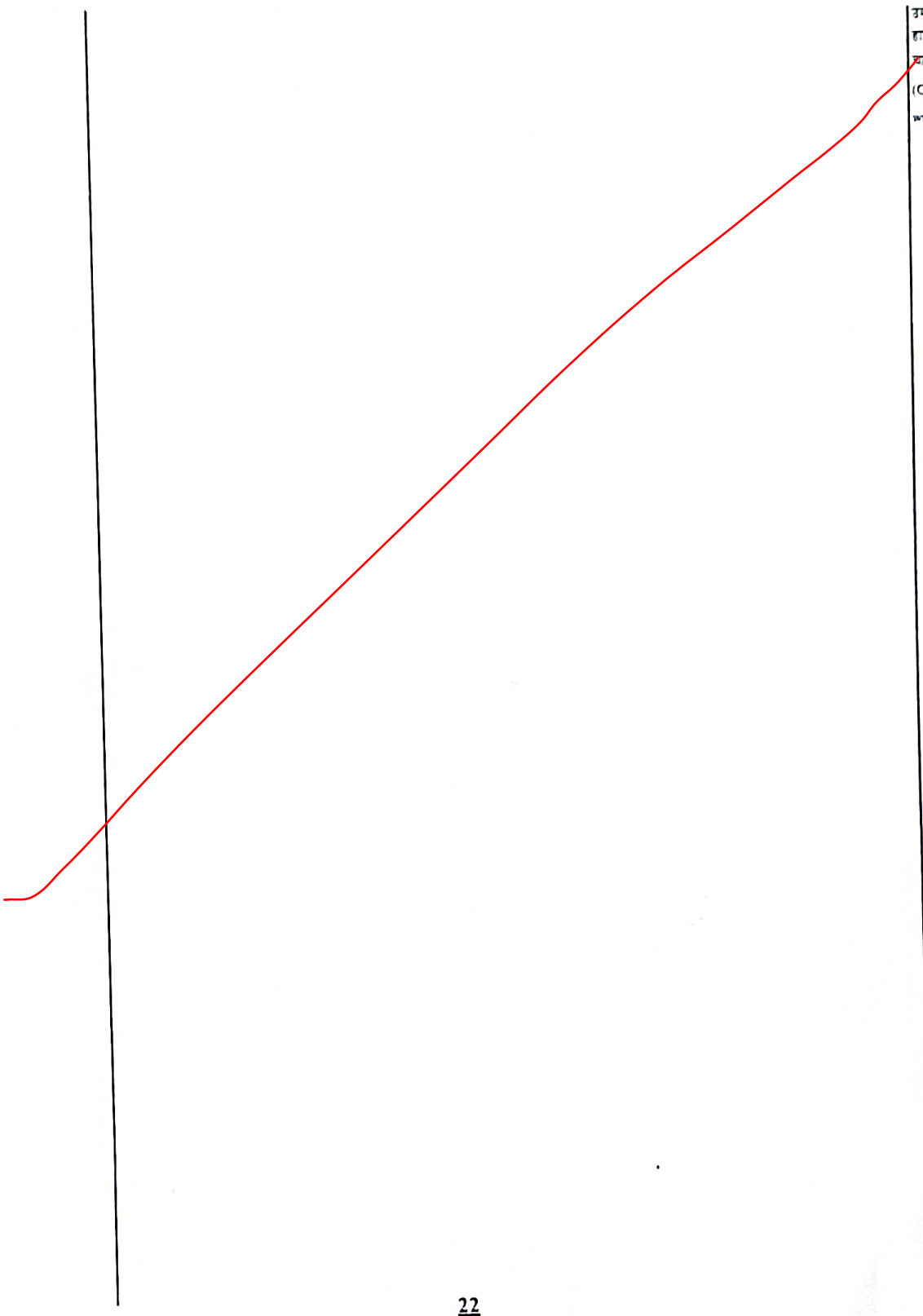

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) निम्नलिखित पर 30-30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये: (150 शब्द) 10
Write short notes on the following in 30 words each: (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(i) नैतिक प्रशासन / Ethical Governance
(ii) वस्तुनिष्ठता और निष्ठा / Objectivity and dedication
(iii) निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ / Ethical perversions of private sector
(iv) सहानुभूति और करुणा / Empathy and compassion
(v) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 / RTI Act, 2005

i) नैतिक प्रशासन :- ऐसा प्रशासन जो न केवल विधिक मूल्यों को लेकर चलता है अपितु करुणा, दया, सत्यता, बन्धुता, पारदर्शिता, कल्याण आदि नैतिक मूल्यों से भी निर्देशित होता है।

ii) वस्तुनिष्ठता & निष्ठा :- वस्तुनिष्ठता से आशय निर्णय प्रक्रिया में विभिन्न उपलब्ध तथ्य, आँकड़ों आदि को ध्यान में रखते हुए स्पष्टता से निर्णय लेना तथा निष्ठा एक ऐसा गुण है जिसमें किसी व्यक्ति/विचार/लक्ष्य के प्रति समर्पण की तीव्र भावना शामिल होती है।

iii) निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियों में सबसे प्रमुख लाभ बनाम सामान्य हित तथा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कार्य-संस्कृति में व्याप्त नैतिक मूल्यों का संकट होता है। इन विकृतियों के समाधान हेतु आचार संहिता, नीति संहिता आदि लाए किये जा सकते हैं।

iv) सहानुभूति से आशय किसी दूसरे व्यक्ति की भावनाओं को उसके स्तर पर जाकर महसूस करने से है। जबकि करुणा के तहत किसी की परिस्थितियों को देखकर मन में चिंता का भाव उत्पन्न होता है तथा कुछ करने का भाव भी आता है।

v) शासन व्यवस्था में पारदर्शिता हेतु RTI Act, 2005 लाया गया था। जिसमें प्रत्येक सरकारी विभाग में सूचना अधिकारी की नियुक्ति की गयी तथा सूचना को न देना दंडनीय अपराध बनाया गया और इस सेवा को निःशुल्क रखा गया ताकि आम जन भी इसका लाभ ले सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (a) शासन व्यवस्था में ईमानदारी से क्या आशय है? शासन व्यवस्था में ईमानदारी का उद्देश्य और महत्त्व क्या है? क्या शासन व्यवस्था में ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिये कोई उपाय हैं?

(150 शब्द) 10

What is probity in governance? What is the purpose and importance of probity in governance? Are there any measures to ensure probity in governance? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

शासन व्यवस्था में ईमानदारी से आशय ऐसे मूल्य की उपस्थिति से है जिससे व्यक्ति शासन के सन्दर्भ में, उसकी नीतियों के साथ, उसके लक्ष्यों के साथ पारदर्शी तथा समर्पित रहकर कार्य करे।

शासन व्यवस्था में ईमानदारी की संकल्पना मुख्यत इसकी दक्षता तथा पारदर्शिता बढ़ाने हेतु लायी गयी थी। ईमानदार व्यक्ति हमेशा संस्था के हितों को स्वंय से ऊपर रखेगा तथा जिन संसाधनों का इस्तेमाल जिस उद्देश्य के लिए निर्धारित है, उसमें होना निर्धारित करेगा।

इसी प्रकार शासन की कार्य-

सरकार के कार्यों में कार्यनिष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता आदि मूल्यों का महत्व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रणाली के सुचारु एवं सफल क्रियान्वयन हेतु ईमानदारी अति आवश्यक है, अन्यथा भ्रष्टाचार, घोटाले आदि के चलते संस्था का अस्तित्व तक खतरे में आ जायेगा।

संस्था में ईमानदारी सुनिश्चित करने के उपाय :-

i) नीति संहिता, आचार संहिता का कड़ाई से पालन,

ii) आधुनिक तकनीक द्वारा निगरानी, अंकेक्षण प्रक्रियाओं में सुधार

iii) निजी संस्था जैसे ईमानदार व्यक्ति को पुरस्कृत करना या प्रोत्साहन आधारित कार्य-संस्कृति को विकसित किया जाये।

iv) अपराधी व्यक्ति को सजा मिलना सुनिश्चित हो ताकि यह निवारक के रूप में कार्य करें।

अतः ईमानदारी किसी भी शासन व्यवस्था के लिए आधारभूत नीतिगत गुण है जिसके बिना संस्था की धारणीयता सम्भव नहीं होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का क्या महत्त्व है? तार्किक समर्थन के साथ अपने विचार प्रस्तुत कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the significance of Emotional Intelligence in Civil Servants? Share your viewpoint and provide supporting arguments. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय ऐसी कुशलता से है जिसमें व्यक्ति न केवल अपने बल्कि दूसरे की भावनाओं को समझ कर उनका उचित प्रबन्धन करना जानता है।

लोकसेवकों के लिए भावनात्मक बुद्धिमता बहुत ही उपयोगी है। निजी जीवन में अत्यधिक कार्य से उत्पन्न होने वाला तनाव हो, परिवार एवं कार्य में संतुलन बनाना हो या कार्य के दौरान उत्पन्न विराशा, थकान, तनाव आदि से निपटने में भावनात्मक बुद्धिमता महत्वपूर्ण साबित होती है। क्योंकि आंतरिक रूप से शान्त (सुलझा हुआ) व्यक्ति ही लोक कल्याण, जनसेवा जैसे कार्यों के प्रति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

समर्पित हो पायेगा।

इसी प्रकार व्यावसायिक जीवन में भी भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग कर लोक सेवक कठिन परिस्थितियों को आसानी से सम्भाल सकते हैं। जैसे- सांप्रदायिक दंगे की स्थिति हो, सड़क जाम कर बैठे लोगों को मनाना हो, अपने कार्यस्थल के लोगों को प्रेरित करना हो, उनकी जीवन सम्बन्धी समस्याओं को समझकर सलाह देना हो आदि भूमिकाओं के निर्वहन हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता केन्द्रीय पत्थर है।

अंततः भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व धीरे-धीरे तार्किक बुद्धिमत्ता के समान या उससे अधिक होता जा रहा है।

4/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख / SECTION - B

अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

7. आपको उस राज्य के एक ज़िले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है जहाँ हाल ही में एक अवैध खनन माफिया द्वारा एक डी.एस.पी. की हत्या कर दी गई थी। आपको सूचना मिली है कि अरावली की पहाड़ियों में कुछ लोगों द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि उस क्षेत्र में अवैध खनन के अधिकतर मामले कभी भी न्यायालय या पुलिस तक नहीं पहुँचते हैं क्योंकि माफिया के रूप में कोई और नहीं बल्कि स्थानीय विधायक शामिल है।

एक तथ्य यह है कि अधिकांश खनिज भंडार ज़िले के एक बड़े भाग में स्थित अरावली पर्वतमाला के आसपास केंद्रित हैं। खनन गतिविधि को तत्काल रोकने से वहाँ कार्यरत मजदूरों के जीवन पर भी असर पड़ेगा। जबकि खनन का पर्यावरणीय प्रभाव भी एक चिंता का विषय है। एक युवा और ऊर्जावान नौकरशाह होने के नाते, आप सकारात्मक बदलाव लाने के लिये उत्साहित हैं, अपितु फिर भी आपको अपने अधीनस्थों द्वारा चेतावनी दी जाती है, जो विभिन्न चुनौतियों से गुजरे हैं। (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त स्थिति में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये

(b) आपके समक्ष कौन सी नैतिक दुविधाएँ हैं?

(c) इस स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

You have recently been posted as the Superintendent of Police of a district in a state where a DSP was killed recently by an illegal mining mafia. You have received information that illegal mining was being done by some people in the area in the Aravalli hills. The surprising thing is that most of the cases of illegal mining in this area never reach the court or the police as the politician who was involved in the mafia was no one else but the local MLA.

It has been found that most mineral deposits are concentrated all along the Aravali range that runs through large parts of the district. An immediate shutdown of the mining activity will also impact the lives of the labourers employed there. The environmental impact of mining is also a major concern. Being a young and energetic bureaucrat, you are passionate about bringing positive changes but at the same time being cautioned by your subordinates who have witnessed various challenges from the threat. (250 Words) 20

(a) Identify the stakeholders involved in the above situation

(b) What are the ethical dilemmas being faced by you?

(c) What step will you take in this situation?

उपरोक्त परिस्थिति में निम्नलिखित हितधारक शामिल माने जा सकते हैं:-

i) सिविल सेवक के रूप में मैं:

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ii) बाहुबली / माफिया विधायक

iii) खनन प्रयोग से प्रभावित मजदूर

iv) पर्यावरण

v) अधीनस्थ कर्मचारी (मेरे कार्य स्थल के)

vi) डी० एस० पी (जिसकी हत्या हुयी है)

vii) हत्या के अपराधी

सामान्य निवासी सरकार।

b) मेरे समक्ष निम्नलिखित नैतिक दुविधाएँ उपस्थित हैं:-

i) सिविल सेवक का कर्त्तव्य बनाम व्यक्तिगत सुरक्षा

ii) अवैध खनन रुकवाना सम्बन्धी समस्या बनाम अधीनस्थों की चेतावनी

iii) पर्यावरणीय प्रभाव (खनन का)

iv) अवैध खनन की रिपोर्ट / मामलों का कोर्ट तक न पहुँचना

v) कानून व्यवस्था सम्बन्धी समस्या (DSP

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

की हत्या होना एक प्रश्नचिह्न है।

vi) अपराध - राजनीति गठजोड़ की चिंता

vii) कार्यस्थल पर कार्यरत कर्मचारियों के मध्य भय की समस्या

c) उपर्युक्त स्थिति में मेरे सम्मुख निम्न विकल्प उपस्थित हैं:-

i) अधीनस्थ ~~अ~~ कर्मचारी की बात मान लूँ तथा अवैध खनन से बेखबर बना रहूँ।

ii) विधायक द्वारा अवैध खनन सम्बन्धी रिपोर्ट मीडिया में लीक कर उस पर दबाव बनाऊँ

iii) अवैध खनन रुकवाने का प्रयास करूँ तथा ~~कोई~~ जब तक धमकी / खतरा महसूस न हो कार्य करता रहूँ एवं खतरे की

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ न्याय VS कर्तव्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपस्थिति होने पर बनन के विरुद्ध कार्यवाही स्थगित कर दें।

iv) अपने सीनियर अधिकारियों से बात कर समस्या के समाधान निश्चित कर जिले में कानून व्यवस्था कायम करूं।

उपर्युक्त विकल्पों को देखकर मैं आखिरी विकल्प तथा कुछ हद तक दूसरे विकल्प की रणनीति का मिश्रण अपनाना पसंद करूंगा। वस्तुतः मीडिया में अधिकारी बनन एवं राजनेता के गठबंधन की खबरों से जनमत में इसकी छवि खराब होगी। साथ ही उस पर नैतिक दबाव भी बनेगा।

इसी प्रकार वरिष्ठ अधिका-

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

-रियो से बात न.के बाद प्रत्येक थाने पर पूरी क्षमता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करूँगा। इसके लिए अतिरिक्त फोर्स के साथ छापेमारी, स्थानीय सूचना प्रणाली को मजबूत करना ताकि रिपोर्टिंग एवं न्यायालय सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया जा सके।

इसी क्रम में DSP हत्या अभियुक्तों की सजा की प्रक्रिया को पूरा करना सुनिश्चित करवाऊँगा ताकि जिले में कानून व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कायम हो तथा मेरे अधीनस्थ कर्मचारियों में भी साहस का संचार हो।

9.5/20

↳ खनन पर निर्भर मजदूरों के प्रति करुणा का पक्ष रखें।

↳ कुछ विचारकों के Quotes आदि प्रयोग करें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

8. पुलिस अधीक्षक के रूप में आप एक ऐसे जिले में नियुक्त हुए हैं जो गंभीर नागरिक अशांति और कानून-व्यवस्था की समस्याओं से ग्रस्त है। राजनीतिक नेताओं की कई अपीलों के बावजूद स्थिति में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। दंगाई हथियारों और गोला-बारूद तक पहुँच हासिल कर पास के एक सैन्य शिविर को लूटने में कामयाब रहे। इससे विभिन्न समुदायों के बीच संघर्ष बढ़ गया है, जिसके परिणामस्वरूप लगातार गोलीबारी हो रही है। इस अराजकता के बीच, आपको एक शरणार्थी शिविर के एक अधिकारी से आधी रात को एक व्यथित करने वाला फोन आता है। उन्होंने आपको बताया कि शिविर में एक 7 वर्षीय बच्चे को पीठ में गोली मार दी गई है, जिससे पता चलता है कि दंगाइयों ने अन्य समुदायों के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिये पुलिस को निशाना बनाया था। अधिकारी घायल बच्चे को निकटतम अस्पताल तक ले जाने में आपकी सहायता का अनुरोध करता है। आप जल्दी से एक एम्बुलेंस की व्यवस्था करते हैं और शिविर की ओर चल पड़ते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हालाँकि, जब आप अपने मार्ग में जा रहे होते हैं तो आपको अपने एक अधीनस्थ से यह संदेश प्राप्त होता है, जो आपको फर्जी खबरों के प्रसार के प्रति सचेत करता है। इस गलत सूचना के अनुसार, यह झूठा दावा किया जा रहा है कि राज्य के अधिकारी एक विशेष समुदाय को अधिमान्य उपचार प्रदान करने के लिये एम्बुलेंस का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस स्थिति में आपके पास विभिन्न दृष्टिकोण क्या हैं? आपकी कार्यवाही का तरीका क्या होगा? आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनी रहे? (250 शब्द) 20

You, as the Superintendent of Police, find yourself in a district plagued by severe civil unrest and law-and-order issues. Despite numerous appeals from political leaders, the situation shows no signs of improvement. The rioters have managed to loot a nearby army camp, gaining access to weapons and ammunition. This has escalated the conflict between different communities, resulting in constant gunfire exchanges. In the midst of this chaos, you receive a distressing midnight call from an officer at a refugee camp. He informs you that a 7-year-old child has been shot in the back at the camp, revealing that the rioters targeted the police for providing protection to people from other communities. The officer at the camp requests your assistance in escorting the injured child to the nearest hospital. You quickly arrange for an ambulance and make your way to the camp.

However, while enroute, you receive a message from one of your subordinates, alerting you of the spread of fake news. According to this misinformation, it is being falsely claimed that state officials are misusing the ambulance to offer preferential treatment to a particular community. In this situation what are the different approaches available to you? What will be your course of action? How will you ensure that law and order situation is maintained? (250 Words) 20

उपर्युक्त जिले की समस्या आज के आधुनिक सूचना क्रांति के युग का एक नकारात्मक प्रयोग है जिसमें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

असामाजिक तत्व सद्भावना से किये गये कार्यों का भी ऐसा चित्रण पेश करते हैं कि उनसे भी भेदभाव एवं कानून व्यवस्था बिगड़ने जैसी स्थिति का निर्माण होता है।

उपर्युक्त स्थिति में मेरे पास निम्नलिखित दृष्टिकोण की उपलब्धता है:

i) घायल बच्चे को अस्पताल तक न पहुँचने में मदद न करूँ

ii) अस्पताल तक मदद पहुँचाने में अपने बजाय किसी कनिष्ठ अधिकारी को जिम्मेदारी सौंप दूँ

iii) बच्चे को अस्पताल पहुँचाने में मदद करूँ तथा फर्जी खबरों से बिना डरे दोनों समुदायों को समझाने का प्रयत्न

→ उपयोगितावादी दृष्टिकोण
→ न्याय दृष्टिकोण
→ सद्गुण दृष्टिकोण
→ गांधीवादी दृष्टिकोण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपर्युक्त परिस्थिति में घायल बच्चे को अस्पताल पहुँचाना आवश्यक है अन्यथा हिंसक गतिविधियों की तीव्रता फिर बढ़ सकती है। इस घटना के बाद जिले में फर्जी खबरों के प्रसार ~~दैनिक~~ को रोकने हेतु इंटरनेट पर पाबंदी जैसे कठोरतम उपाय भी अपनाये जा सकते हैं हालांकि इसका प्रयोग अन्तिम विकल्प के रूप में करना पसंद करूँगा।

इसी क्रम में लूटे गये हथियारों की वापसी (रिकवरी) सुनिश्चित कर जिले में हिंसा के उपकरणों पर नियंत्रण का प्रयास करना होगा। तथा यदि राजनीतिक नेताओं की

पर्याप्त सुरक्षा बल की उपस्थिति सुनिश्चित करना

निर्बाध एम्बुलेंस आवाजाही सुनिश्चित करना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मशील व्यर्थ है तो दोनो समुदायों के धार्मिक /स्थानीय नेताओं के बीच बात-चीत के माध्यम से स्थिति को काबू करने का प्रयास किया जा सकता है।

दूसरी ओर फर्जी खबर कि सरकारी साधनों का दुरुपयोग हो रहा है, इस सम्बन्ध में सरकारी विभाग द्वारा इसका खंडन करवा कर स्थानीय अखबारों एवं अन्य सोशल मीडिया चैनलों (अधिकृत ट्विटर, फेसबुक हैंडल) के माध्यम से दोनों समुदायों के लिए किये गये मदद के कार्यों के बारे में बताया जा सकता है तथा नकारात्मक खबरों पर नियंत्रण का

↳ जनता से संवाद बनाए रखना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रयास की करना होगा। ताकि इनकी वजह से स्थिति और गंभीर न हो।

निष्कर्ष रूप से यह एक आधुनिक आंतरिक सुरक्षा सम्बन्धी चुनौती है जिसमें तकनीक, फेक न्यूज, समाज का भाई-चारा आदि की समस्या उत्पन्न हुयी है अतः इससे निपटने हेतु हमें की विभिन्न बहु आयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा ताकि जिले में जल्द से जल्द अमन कानून एवं शांति व्यवस्था कायम की जा सके।

8.5/20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में कहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

9. रोहन 12वीं कक्षा का नवोत्तीर्ण छात्र है। अपनी अंतिम बोर्ड परीक्षा के दौरान उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उसके खराब स्वास्थ्य तथा पारिवारिक समस्याओं ने उसकी तैयारी में बाधा उत्पन्न की। वह विद्यालय की कई महत्त्वपूर्ण कक्षाओं में अनुपस्थित रहा। उसके सबसे अच्छे दोस्त रमन ने उसे बोर्ड परीक्षा के दौरान अमूल्य सहायता प्रदान की। रोहन को अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद करने के लिये रमन ने अपने निजी नोट्स भी साझा किये। रोहन के माता-पिता उसके दोस्त के समर्पण तथा सहायता के लिये आभारी थे, उन्होंने रोहन को सफल होने में सहायता करने के लिये किये गए प्रयास को मान्यता दी। हालाँकि बोर्ड परीक्षा में अच्छे ग्रेड प्राप्त करने के बाद भी CUET परीक्षा एक बड़ी बाधा थी। CUET में प्राप्त अंक यह निर्धारित करेंगे कि रोहन किस कॉलेज व पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। रोहन BCA की पढ़ाई करना चाहता था तथा जानता था कि एक प्रतिष्ठित कॉलेज में प्रवेश के लिये उसे विशिष्ट अंकों की आवश्यकता है। हाल ही में, रोहन को पता चला कि रमन ने एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिये EWS (आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग) प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। सच तो यह था कि उसका सबसे अच्छा दोस्त वास्तव में EWS श्रेणी के लिये योग्य नहीं था। इस सच से रोहन काफी परेशान हो गया। जब उसने रमन से स्थिति के बारे में पूछा, तो उसके दोस्त ने कड़ी प्रतिस्पर्द्धा व लाभ की आवश्यकता पर ज़ोर देकर उसके कार्यों को उचित ठहराया। रमन ने रोहन को भी EWS प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिये मनाने की कोशिश की। (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त स्थिति में शामिल नैतिक संशय/दुविधा पर चर्चा कीजिये?

(b) उपरोक्त सभी विकल्पों का मूल्यांकन कीजिये?

(c) आप कौन-से विकल्प का चयन करेंगे और क्यों?

Rohan is a newly passed out class 12th student. During his final board examination, he faced several challenges. His poor health and family issues hampered his preparation. He missed several of the important classes in school. His best friend, Raman, provided him with invaluable support during the Board examination. Raman even shared his personal notes to help Rohan achieve a good score. Rohan's parents were grateful for his friend's dedication and assistance, recognizing the effort he put in to help Rohan succeed. However, there was one major obstacle even after getting good grades in the Board examination—the CUET examination. The CUET score would determine the college and course Rohan could pursue. Rohan aspired to study BCA and knew he needed exceptional marks to secure admission into a reputable college. Recently, Rohan discovered that Raman had obtained an EWS (Economically Weaker Section) certificate to improve his chances of getting into a good college. The truth was that his best friend did not actually qualify for the EWS category. This revelation left Rohan deeply upset. When he confronted Raman about the situation, his friend justified his actions by emphasizing the intense competition and the need for an advantage. Raman tried to convince Rohan to also obtain an EWS certificate.

(250 Words) 20

(a) Discuss the ethical dilemma involved in the above-mentioned situation?

(b) Evaluate all the options available to you?

(c) Which option would you opt for and why?

आरक्षण के ~~समर्थन~~ और विरोध में उठने वाली ज्यादातर आवाजों का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मूल यही होता है कि आरक्षण का लाभ वास्तविक लाभार्थियों की अपेक्षा अधिक सक्षम फर्जी लाभार्थी उठा लेते हैं। इस सन्दर्भ में यह कथन कि "आपके द्वारा लिया गया एक भी अवांछित लाभ किसी दूसरे जरूरतमंद व्यक्ति के हक को मारता है" सत्य प्रतीत होता है।

उपर्युक्त परिस्थिति में उपलब्ध नैतिक चिंताएं / दुविधाएँ :-

1) आरक्षण के वास्तविक लाभार्थी बनाम फर्जी लाभार्थी

(i) मित्र के हित का ध्यान बनाम सर्वजनिक हित

↳ ईमानदारी vs दोस्ती

(ii) मित्र का उपकार मानना बनाम न्याय

(iv) सार्वजनिक न्याय बनाम व्यक्तिगत हित

↳ साध्य vs साधन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

v) भ्रष्टाचार का त्याग बनाम पारदर्शिता
vi) शिक्षा के मूल अर्थ की समझ का न होना।

उपर्युक्त नैतिक चिंताओं में मेरे सामने उपलब्ध नैतिक विकल्प निम्न हैं:

i) रोहन द्वारा रमन की बात मान लेना तथा EWS का प्रमाणपत्र बनवाकर अपने मनचाहे स्कूल में प्रवेश लेना

हालांकि इस विकल्प को अपनाने से न केवल रोहन बल्कि रमन दोनों गैर-कानूनी कार्य कर रहें है तथा किसी वास्तविक लाभार्थी का हक भी छीना जा रहा है। यह विकल्प मेरी नजर में एकदम उपयुक्त नहीं है।

ii) अपना EWS प्रमाणपत्र न बनवाना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(अगर योग्य नहीं है) तथा साथ ही रमन के सन्दर्भ में भी चुप बैठ जाना

यह विकल्प रमन के द्वारा रोहन के लिए किये गये उपकारों का मूल्य चुकाने जैसा होगा किन्तु यह विकल्प भी उपयुक्त नहीं क्योंकि इससे भी न्याय, भ्रष्टाचार, गैरकानूनी लाभ जैसे मुद्दे जुड़े रहेंगे।

iii) अपने EWS के साथ-साथ रमन के प्रमाणपत्र की सत्यता के लिए उसको प्रयोग न करने हेतु मनाना।

यह विकल्प एक दृष्टि से ठीक है। क्योंकि इससे न केवल रमन & रोहन गैर कानूनी रूप से उत्तरदायी होने से बच जायेंगे बल्कि रोहन की दोनों की सच्ची मिसाल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कायम करते हुए दोस्त की मदद करेगा।

यह विकल्प उपरलिखित भी उचित है क्योंकि शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यक्ति का नैतिक, आर्थिक, सामाजिक विकास करना होता है तथा फर्जी प्रमाण-पत्र की सहायता से प्रवेश लेकर नैतिक मूल्यों से खिलवाड़ करना उचित नहीं। साथ ही प्रमाणपत्र की सत्यता की सच्चाई के बाहर आने पर सामाजिक, नैतिक रूप से उपहास पात्र भी बन सकते थे जो कि एक उज्जवल भविष्य के लिए उत्कृष्ट सही नहीं होता।

10/20

अच्छा प्रयास है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. भारत के एक पूर्वी राज्य में एक चार लेन का कंक्रीट पुल एक वर्ष में दूसरी बार ढह गया है। पुल की संरचनात्मक विफलता इस बात का उदाहरण देती है कि इंजीनियरिंग प्रथाओं में नैतिकता का उल्लंघन कैसे होता है। रवि एक प्रतिष्ठित संरचनात्मक इंजीनियर हैं और उसे परियोजना की जाँच के लिये नियुक्त किया गया है। योजनाओं और रेखाचित्रों की जाँच करने के बाद, उन्हें पता चला कि डिज़ाइन में एक बड़ी खामी थी। खामी के बारे में रिपोर्ट करने से भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति से बचा जा सकेगा लेकिन इससे निर्माण कंपनी की मान्यता प्रभावित होगी। साथ ही रवि को पता चला कि पुल का कार्य करने वाला ठेकेदार कोई और नहीं बल्कि उस इलाके के विधायक का छोटा भाई है। इस प्रकार, स्थिति की रिपोर्ट करने से उसके जीवन को कोई गंभीर खतरा हो सकता है। इस मामले में शामिल नैतिक मुद्दों का विश्लेषण करें। इस स्थिति में, रवि को आदर्श रूप से क्या करना चाहिये? क्या "त्रुटियाँ या विफलताएँ" सभी मामलों में मानव प्रगति के लिये स्वीकार्य हैं?
(250 शब्द) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

A four-lane concrete bridge in an eastern state in India has collapsed for the second time in just over a year. The structural failure of the bridge provides an example of how violation of ethics occurs in engineering practices. Ravi is a reputable structural engineer and has been appointed to investigate the project. After scrutinizing the plans and drawings, he finds that there was a major flaw in the design. Reporting about the flaw would save such a grave situation in the future but this would affect the recognition of the construction company. Also, Ravi found that the contractor working for the bridge is no one else but the younger brother of the MLA in that area. Thus, reporting the situation may cause some serious threat to his life. Analyse the ethical issues involved in this case. In this situation, what should Ravi ideally do? Are "errors or failures" acceptable price for human progress in all instances?
(250 Words) 20

पारदर्शिता एवं ईमानदारी जैसे मूल्यों का महत्व न केवल व्यक्तिगत जीवन में होता है। बल्कि लोकतंत्र रूपी ढाँचे के कल्याणकारी स्वरूप की यह एक आवश्यक शर्त भी होती है।

उपर्युक्त परिस्थिति का विश्लेषण करने पर निम्न मुद्दे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दृष्टिगत होते हैं:-

i) सार्वजनिक हित बनाम व्यक्तिगत जोखिम

ii) शासन व्यवस्था में भाई-भतीजावाद

iii) पारदर्शिता बनाम भ्रष्टाचार

iv) कार्य के प्रति ईमानदारी (व्यक्तिगत कर्तव्य) बनाम भ्रष्टाचार के प्रति उदासीनता

v) लोक कल्याण बनाम स्व सुरक्षा

इन मुद्दों को स्पष्ट करने के लिए थोड़ा विस्तार अपेक्षित है।

उपर्युक्त नैतिक मुद्दों से निपटने हेतु रवि के द्वारा अपने व्यक्तिगत कर्तव्य / कार्य के प्रति ईमानदारी बरतते हुए ईमानदारी के साथ कामों के बारे में रिपोर्ट बनाकर सम्बद्ध अधिकारी को भेज देनी चाहिए भविष्य के किसी फ्रंट

रवि के पास उपलब्ध कुछ अन्य विकल्प भी बताएं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

की संभावना भाव है यह खामी सम्बन्धी बात छुपाना ठीक नहीं होगा और क्या पता अगली बार हादसे में जान-माल का भी नुकसान हो जाये। फिर इसकी अपराधिकता में न केवल रवि फंसेगा बल्कि नैतिक रूप से भी यह गलत होगा।

साथ ही इस रिपोर्ट के साथ खामी सम्बन्धी सूचना स्थानीय विधायक को भिजवाकर यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि अगर मनजले में यह संरचनात्मक भूल हुयी है तो इसे सुधारा जा सके तथा भविष्य में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में ऐसे संकट पर अंकुश लगाया जा सके और अगर ऐसा है तो इससे भविष्य के संकट सम्बन्धी (सचिव के जीवन की) संभावना भी खत्म हो जायेगी तथा इससे सेवा सार्वजनिक कल्याण तथा व्यक्तिगत कर्तव्य सम्बन्धी मूल्यों का पालन भी सुनिश्चित होगा।

अगर विधायक / छोटे भाई द्वारा रिपोर्ट न बनाने का दबाव बनाया जाता है तथा किसी संकट की धमकी (अप्रत्यक्ष तौर पर) दी जाती है तो इस सन्दर्भ में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए अपना कार्य करना बुद्धिमानी होगी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तथा इस सन्दर्भ में डिजिटल मीडिया की सहायता भी ली जा सकती है।

अन्तिम प्रश्न के सन्दर्भ में यह स्पष्ट है कि त्रुटियाँ या विफलताएँ अगर अनजाने में तथा बार-बार निरीक्षत करने के बावजूद पकड़ में न आने पर हुयी है तो एक बार स्वीकृत है। वहीं अगर जान-बूझकर त्रुटियाँ सम्बन्धी अभिवृत्ति अगर हमने सकारात्मक रखी तो यह विकास की ओर नहीं विनाश की ओर ले जायेगा जिससे राज्य के कल्याणकारी स्वरूप के साथ-साथ लोकतंत्र, जनतंत्र का भी सर्वनाश हो जायेगा।

घटनाओं से संबंधित तथ्यों व आँकड़ों का प्रमाणीकरण से कम की जा सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. 21 वर्ष की उम्र में ही राधिका अपने असाधारण कुश्ती कौशल के कारण अपने गृह राज्य हरियाणा में काफी प्रसिद्ध हो गई। इसका पूरा श्रेय उसकी प्रतिभा और उसके माता-पिता द्वारा उसके सपनों को पूरा करने के लिये किये गए अनेकों बलिदानों को जाता है। अपनी माँ के कैंसर के इलाज के कारण उत्पन्न हुए वित्तीय संकट का सामना करने के बावजूद उसके पिता के अटूट दृढ़ संकल्प ने उसे एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने के लिये सबसे अधिक प्रेरित किया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ओलंपिक खेलों का समय निकट आते देख राधिका ने दिल्ली में कुश्ती अकादमी में तकनीकी प्रशिक्षण लेने का निर्णय लिया। इस दिशा में उसके क्षेत्र के विधायक द्वारा इस प्रक्रिया में तेजी लाये जाने और अविलंब प्रशिक्षण शुरू कराये जाने की अनुमति से राधिका को बहुत मदद मिली। हालाँकि, अपने छोटे भाई और माँ की तबियत को देखते हुए वह अपने गृह ज़िले को छोड़ने को लेकर काफी चिंतित थी, परंतु उसके पिता ने उसे आश्वस्त किया कि वह नियमित रूप से उससे मिलने आया करेंगे और उसे सुझाव दिया कि वह घर की चिंता को छोड़कर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करे।

दिल्ली में कुश्ती अकादमी में राधिका ने कुश्ती क्षेत्र के एक प्रसिद्ध कोच/प्रशिक्षक से प्रशिक्षण लेना आरंभ किया। उनके मार्गदर्शन में उसके कौशल में काफी सुधार हुआ। राधिका को उनके अधीन प्रशिक्षण ले रही अन्य प्रतिभाशाली महिला पहलवानों से मिलने का भी अवसर प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, कोच ने राधिका के प्रशिक्षण को बेहतर बनाने के लिये व्यक्तिगत रूप से अपने खर्च से कई उपकरण उपलब्ध कराए।

एक दिन, शाम को प्रशिक्षण खत्म करके लौटते समय राधिका को किसी के रोने की आवाज सुनाई दी। वह उसके पास गई और पाया कि यह एक नई प्रशिक्षु है और इसका नाम श्रुति है तथा वह एक नाबालिग भी है। उत्सुकतावश राधिका ने श्रुति की परेशानी का कारण जानने की बहुत कोशिश की, किंतु उसने कोई भी विवरण देने से इनकार कर दिया। अचानक उनका कोच आया और तेजी से श्रुति को लेकर चला गया। इस स्थिति से उत्पन्न भ्रम और अस्थिरता एवं श्रुति की दर्दनाक चीखें उसके दिमाग में घूमते रहने के कारण राधिका को उस रात नींद नहीं आई।

अगली रात, प्रशिक्षण के बाद लौटते समय, राधिका ने उसी लड़की को कोच के साथ देखा। इस दृश्य से परेशान होकर उसने इस बारे में अकादमी में अपने एक दोस्त से बात की। दोस्त ने उसे सतर्क रहने को कहा और यह भी सलाह दी कि वह इस विषय में और किसी से बात न करे। उसकी दोस्त ने आगे बताया कि कोच गरीब और वंचित पृष्ठभूमि की लड़कियों का यौन शोषण करता था। कई अन्य लड़कियों ने इस जानकारी की पुष्टि की थी।

यह सुनकर राधिका को बहुत हैरानी हुई और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। कोच का उसके प्रति व्यवहार हमेशा ही सम्मानजनक रहा था और उन्होंने उसकी काफी मदद भी की थी। इसके अतिरिक्त, उनके कुछ राजनीतिक संबंध थे और उनके ज़िले के विधायक से उनकी करीबी दोस्ती थी। लड़कियों ने राधिका को अन्य के साथ हुई इसी प्रकार की कई घटनाओं के बारे में बताया, और यह भी बताया कि किस प्रकार जिन-जिन लकड़ियों ने आवाज उठाने की कोशिश की, उनका करियर नष्ट हो गया। अपनी सफलता के वर्तमान स्तर तक पहुँचने के लिये किये गए बलिदानों के विषय में राधिका भलीभाँति अवगत थी, साथ ही उसे अपनी वित्तीय स्थिति का भी आभास था। हालाँकि, वह एक बात अच्छे से जानती थी कि वह इस अन्याय को अनदेखा नहीं कर सकती।

(250 शब्द) 20

(a) इस मामले में कौन-कौन से हितधारक शामिल हैं?

(b) राधिका के लिये कार्रवाई की दिशा और उनके संभावित निहितार्थों की जाँच कीजिये।

(c) मूल्यांकन कीजिये कि भविष्य में कौन-सी कार्यवाही राधिका के लिये अधिक उपयुक्त होगी और क्यों।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Radhika, at the age of 21, became a sensation in her home district of Haryana due to her exceptional wrestling skills. Her talent propelled her to stardom, and her parents made significant sacrifices to fulfil her dreams. Despite facing financial distress, especially after her mother's cancer diagnosis, her father's unwavering determination pushed her to go to extreme lengths to win a medal at the Asian Championship.

With the Olympics looming, Radhika made the decision to take smart and technical training at the wrestling academy in Delhi. She was overjoyed when the MLA from her region expedited the process, allowing her to commence training immediately. However, concerns about leaving her home district arose since she had a younger brother and an ailing mother. Nonetheless, her father reassured her that he would visit regularly, urging her to concentrate on her games.

At the academy in Delhi, Radhika was assigned a renowned coach who held great prestige in the wrestling circle. Under his guidance, her skills improved significantly. She also had the opportunity to meet other talented female wrestlers who were training under him. They, too, were impressed by the coach's expertise. Additionally, the coach went above and beyond, personally providing equipment for Radhika from his own pocket to enhance her training.

One evening, upon returning from training, Radhika heard someone sobbing. She approached the source of the cries and discovered a new trainee named Shruti, a minor. Curious about the cause of Shruti's distress, Radhika inquired, but she refused to disclose any details. Suddenly, their coach arrived and swiftly took Shruti away. Confused and unsettled by the situation, Radhika found it difficult to sleep that night as Shruti's painful cries lingered in her mind.

The following night, while returning from training, Radhika spotted the same girl in the company of the coach. Troubled by this observation, she confided in a friend at the academy. The friend cautioned her to be cautious and advised against disclosing the information to anyone else. Upon further discussion, the friend revealed that the coach took advantage of girls from marginalized backgrounds in a sexual manner. Many other girls had corroborated this information.

Shocked to the core, Radhika was at a loss for what to do. The coach had always been respectful and helpful towards her. Moreover, he had political connections and was a close friend of the MLA from her district. The girls also shared stories of others who had tried to raise their voices and had their careers destroyed as a result. Radhika was aware of the sacrifices she had made to reach her current level of success, and the financial situation was far from ideal. However, she knew she couldn't let this injustice go unaddressed. (250 Words) 20

(a) Who are the different stakeholders involved in this case?

(b) Examine the courses of action for Radhika and their potential implications.

(c) Evaluate which future course of action would be more appropriate for Radhika and why.

उपर्युक्त परिस्थिति खेल नैतिकता की वर्तमान चुनौतियों से संबंधित है। जिसमें न केवल खेल की गरिमा अपितु देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी हो रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

a) शामिल हितधारक :-

i) राधिका का भविष्य एवं परिवार जनों का त्याग

ii) प्रशिक्षण संस्थान का कोच

iii) श्रुति के साथ हो रहा अन्याय

iv) अन्य लड़कियों के साथ हुआ अन्याय

v) प्रशिक्षण संस्थान का प्रबंधन तंत्र

vi) स्थानीय विधायक

b) राधिका के पास निम्नलिखित विकल्प उपलब्ध है :-

i) श्रुति की स्थिति को नजरअंदाज करते हुए अपने प्रशिक्षण पर ध्यान दे

ii) श्रुति की स्थिति के संदर्भ में एक गुमनाम चिट्ठी के द्वारा मामले को मीडिया में उठाये

iii) श्रुति व अन्य को समझाकर एवं साथ लेकर एक FIR दर्ज कराये तथा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कानूनी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करवाये।

वस्तुतः पहला विकल्प राधिका के व्यक्तिगत भविष्य के लिए सही है और साथ ही कोच का व्यवहार उसके प्रति सम्मानजनक रहा है तो वह इस मामले में उदासीन रहना चुनकर अपना फायदा कर सकती है।

मेरी नजर में यह विकल्प एकदम गलत है। क्योंकि किसी गरीब एवं वंचित नाबालिग लड़की का यौन शोषण दोहरा अपराध है। इस सन्दर्भ में चुप्पी उसके (अपराधी) हौसले को और बढ़ायेगा।

इसी प्रकार दूसरा विकल्प राधिका के करियर की दृष्टि से अच्छा है किन्तु गुमनाम शिकायतों पर प्रभावी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कार्रवाई न होने या नजरअंदाज कर दिये जाने का जोखिम बना रहेगा।

मेरी राय में तीसरा विकल्प अधिक उपयुक्त है क्योंकि राधिका स्वयं यह अन्याय देखना बर्दाश्त नहीं कर सकती है तथा यह लड़कियों के न्याय एवं अपराधी को सजा दिलाने में मदद करेगा। वस्तुतः खेलों का मकसद ही नैतिक सुदृढ़ीकरण तथा व्यक्तित्व विकास है अतः एक शोषण या अपराध को देखकर आँख मूँद लेने वाला सच्चा खिलाड़ी नहीं बन पायेगा।

अतः राधिका को कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया के लिए साक्ष्य आधारित तथा श्रुति के साथ जाकर एक FIR दर्ज करानी चाहिए।

↳ आंतरिक शिकायत समिति (ICC) में शिकायत पहले दर्ज करना चाहिए

→ राधिका के पास कोई साक्ष्य नहीं है तथा वह स्वयं पीड़िता नहीं है।

9/20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidates must not write on this margin)

12. एक जिले में कई बच्चे मध्याह्न भोजन के दौरान दिये गए भोजन को खाने के बाद बीमार हो गए, जिसमें कथित तौर पर एक साँप था। भोजन तैयार करने के लिये जिम्मेदार स्टाफ सदस्य ने कहा कि छात्रों को भोजन परोसे जाने के बाद दाल के एक कंटेनर में एक साँप पाया गया। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि यह घटना उनकी लापरवाही के कारण नहीं हुई, बल्कि सरकार द्वारा संचालित विद्यालय प्रशासन की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से किसी बाह्य समूह द्वारा जानबूझकर की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप हुई है।

आप खंड विकास अधिकारी हैं और आपको ग्रामीणों से शिकायतें मिली हैं। वहाँ पहुँचने पर आप पाते हैं कि अभिभावकों ने विद्यालय कर्मचारी और शिक्षकों को घेर रखा है। उन्होंने विद्यालय की संपत्ति को भी नुकसान पहुँचाया है। विद्यालय कर्मचारी आपसे अनुरोध करता है कि जो रिपोर्ट आपको देनी है उसमें उसे बदनाम न करें क्योंकि उसकी नौकरी जा सकती है और वह अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाला है। वहीं, ग्रामीण आपसे विद्यालय कर्मी को दंडित करने और त्वरित न्याय दिलाने की मांग करते हैं। (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त मामले में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये।

(b) इस मामले में निहित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।

(c) उपरोक्त स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

Several children in a district became sick after consuming the food provided to them during a mid-day meal, which reportedly contained a snake. The staff member responsible for preparing the meal stated that a snake was discovered in one of the lentil containers after the food was served to the students. However, he insisted that this incident occurred not due to his negligence, but rather as a result of deliberate actions by an external group aiming to tarnish the reputation of the government-run school administration.

You are the Block Development Officer and have received complaints from the villagers. As you reach there, you find that the guardians gheraoed the school staffer and teachers. They have also vandalized the school property. The school staffer requests you not to defame him in the report that you are supposed to submit as he may lose his job and he is the only earner in his family. On the other hand, the villagers demand you to punish the school staffer and deliver quick justice. (250 Words) 20

(a) Identify the stakeholders involved in the above case

(b) Discuss the ethical issues involved in this case.

(c) What steps would you take in the above situation?

उपर्युक्त परिस्थिति में शामिल हितधारक निम्नलिखित हैं:

i) स्कूल के बीमार बच्चे

ii) बच्चों के माता - पिता

iii) स्कूल का स्टॉफ (कर्मचारी)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

iv) खंड विकास अधिकारी के कर्तव्य
v) अन्य ग्रामीण
vi) कुछ हद तक स्कूल की छवि

b) मामले में निहित नैतिक मुद्दें :-
i) सर्वप्रमुख नैतिक मुद्दा कानून के शासन की स्थापना का है क्योंकि ग्रामीणों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान किया गया है।
ii) स्कूल के कर्मचारी अगर दोषी हैं तो उचित प्रक्रिया द्वारा उनको दंड दिलवाना न कि फौरन / त्वरित न्याय
iii) बच्चों का स्वास्थ्य एवं इनके माता-पिता की मानसिक स्थिति
iv) खंड विकास अधिकारी के रूप में मेरे नैतिक एवं विधिक दायित्व
v) स्कूल के कर्मचारियों का घटना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सम्बन्धी उत्तरदायित्व

vi) स्कूल की छवि सम्बन्धी बाहरी समूह की उपस्थित का होना या न होना सम्बन्धी मुद्दा

vii) मुख्य अभियुक्त की पारिवारिक जिम्मेदारी बनाम न्यायिक प्रक्रिया का पालन

उपरता का विश्वास

c) उपरोक्त स्थिति में खण्ड शिक्षा अधिकारी के रूप में मेरे द्वारा सर्वप्रथम ग्रामीणों को शान्त कराया जायेगा तथा इन्हें भरोसा दिलाया जायेगा कि प्रकरण में न्याय सुनिश्चित होगा।

साथ ही स्कूल के कर्मचारियों से बात करके सच जानने की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कोशिश की जायेगी। जैसे कि छवि धूमिल करने वाली बात में कितनी सच्चाई है या फिर यह बचने का एक हथकंडा है। हालांकि अन्तिम उत्तरदायित्व उस कर्मचारी का ही होता है क्योंकि भोजन बनाने से पूर्व उसे यह सब देखना चाहिए था। चूंकि लापरवाही हुयी है अतः इस सन्दर्भ में एक विस्तृत रिपोर्ट बनाकर कार्रवाई के लिए सम्बन्धित अधिकारी को सम्प्रेषित करना उचित कदम होगा।

वहीं यह मुद्दा कि परिवार का इकलौता सदस्य है बताने वाला तो रिपोर्ट में इस सन्दर्भ में

सहानुभूति व करुणा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यह लिखा जा सकता है कि अगर यह घटना लापरवाही की वजह से न होकर षड्यंत्र का नतीजा है तो की जाने वाली कार्रवाई की दिशा थोड़ी कम रखी जाये।

↳ निष्पक्ष घटना की जाँच
यथानुसार कार्यवाही

8.5/20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)